अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2023) दिनांक : 22.08.2023

समय सीमा : 3 घंटा प्रथम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

जैन तत्त्व विद्या–50

प्र. 1 किन्हीं पन्द्रह प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दें– 15

(क) वचन योग किसे कहते हैं?

(ख) आगमिक श्रुत किसे कहते हैं?

(ग) पंडित मरण किन गुणस्थानों में होता है?

(घ) द्रव्येन्द्रिय के दो प्रकार कौन से हैं?

(ङ) प्राण का क्या अर्थ है?

(च) सूक्ष्म संपराय चारित्र किसे कहते हैं?

(छ) अन्तराय कर्म किसके समान है?

(ज) अप्रत्याख्यान माया किसके समान है?

(झ) बालपंडित मरण कौन से गुणस्थान में होता है?

(ञ) बंध के कितने प्रकार हैं?

(ट) 'प्रमेयत्व' से क्या तात्पर्य है?

(ठ) पारिणामिकी बुद्धि किसे कहते हैं?

(ड) सपर्यवसितश्रुत किसे कहते हैं?

(ढ) 'पुरिमार्ध' से क्या समझते हैं?

(ण) 'स्थापना निक्षेप' से क्या अभिप्राय है?

(त) लयन पुण्य किसे कहते हैं?

(थ) 'उपधान' का तात्पर्य क्या है?

प्र. 2 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) रौद्रध्यान व शुक्ल ध्यान की व्याख्या करें।

(ख) वीतराग के कितने प्रकार हैं, वर्णन करें।

(ग) अवधिज्ञान व मनःपर्यवज्ञान की व्याख्या करें।

(घ) संग्रह नय से आप क्या समझते हैं।

(ङ) आहार किसे कहते हैं? कवल आहार का वर्णन करें।

प्र. 3 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर विस्तार पूर्वक लिखें– 20

(क) चौदह गुणस्थानों के बारे में विस्तार से लिखें।

(ख) स्वाध्याय के प्रकारों का वर्णन करें।

(ग) दर्शन के कितने आचार हैं, विस्तार से लिखें।

(घ) कर्म की दस अवस्थाओं का विस्तृत उल्लेख करें।

तत्त्वचर्चा-30

प्र. 4 किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर एक-दो वाक्य में दें– 10

(क) पुण्य हेय या उपादेय?

(ख) सावद्य पुण्य या पाप?

(ग) सिद्ध भगवान छह में कौन? नौ में कौन?

(घ) चतुरिन्द्रिय संज्ञी या असंज्ञी?

(ङ) आस्रव चोर या साहूकार?

(च) सामायिक छह में कौन? नौ में कौन?

(छ) कर्मों में पुण्य कितने? पाप कितने?

(ज) पाप छह में कौन? नौ में कौन?

(झ) बंध जीव या अजीव?

(ञ) अधर्म और अधर्मास्ति एक या दो?

(ट) निर्जरा रूपी या अरूपी?

(ठ) कर्मों को तोड़ने वाला छह में कौन? नौ में कौन?

प्र. 5 कोई चार चर्चा लिखें– 20

(क) कर्म पर चर्चा।

(ख) छह द्रव्यों पर छह में नौ की चर्चा।

(ग) नौ तत्त्व पर हेय ज्ञेय उपादेय।

(घ) छह द्रव्यों में रूपी-अरूपी।

(ङ) नौ तत्त्व पर सावद्य-निरवद्य की चर्चा।

(च) छह द्रव्य पर चर्चा।

गीतिका-20

प्र. 6 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 5

(क) सावद्य और निरवद्य कार्यों से क्या होता है?

(ख) मोक्ष के चार मार्ग कौन से हैं?

(ग) कर्मों से भारी कौन होता है?

(घ) धर्म का अंश कहां नहीं है?

(ङ) संक्षेप व विस्तार नय की दृष्टि से द्रव्य एवं तत्त्व कितने होते हैं?

(च) भगवान ने सूत्र में किसे दुर्लभ बताया है?

प्र. 7 कोई तीन पद्य अर्थ सहित पूर्ण करें– 15

(क) पोथा पानां.....पेट भराई रे।

(ख) गिरिवर.....मधुर न स्वाद।

(ग) समकित बिन.....लिगार।

(घ) लीधी टेक.....बूडा जात।

(ङ) सबनै लब्धि.....किहां जमात।